

No. of Printed Pages : 4

**MTT-011**

**M. A. (TRANSLATION STUDIES)  
(MATS)**

**Term-End Examination  
December, 2021**

**MTT-011 : HISTORY AND TRADITION OF  
TRANSLATION**

*Time : 2 Hours*

*Maximum Marks : 50*

**Note :** Answer *five* questions in all. Question No. 9 is compulsory. All questions carry equal marks. Answer Question No. 1 to 8 in about 450 words (each) and short notes of Q. No. 9 in about 250 words each.

1. Illuminate on the Indian tradition of translation.
2. Discuss Buddhist tradition of translation in religious expansion.
3. Give a detailed account of western medieval tradition of translation.
4. Discuss at length the Chinese tradition of translation.

5. Describe the translation works undertaken from Persian into Indian languages.
6. Elucidate the Modern European Tradition of translation.
7. Discuss the global translations of Indian classics.
8. Illuminate on the contribution of American tradition of translation in the development of translation studies.
9. Write short notes on any *two* of the following :
  - (a) Problems in translating Buddhist literature
  - (b) Translation activities in Ancient Rome
  - (c) Translator Kumarjeev
  - (d) Sherry Simon's views on translation

**MTT-011****एम. ए. ( अनवाद अध्ययन ) ( एम. ए. टी. एस. )****सत्रांत परीक्षा****दिसम्बर, 2021****एम.टी.टी.-011 : अनवाद की परम्परा और इतिहास**

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

**नोट :** कल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 9 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 1 और 8 तक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 450 शब्दों में दीजिए तथा प्रश्न संख्या 9 के अन्तर्गत प्रत्येक टिप्पणी 250 शब्दों में लिखिए।

1. अनवाद की भारतीय परम्परा पर प्रकाश डालिए।
2. धर्म-प्रसार में बौद्ध अनवाद परम्परा की विवेचना कीजिए।
3. मध्यकालीन पश्चिमी अनवाद परम्परा का विस्तृत विवेचन कीजिए।
4. अनवाद की चीनी परम्परा की विस्तार से चर्चा कीजिए।

P. T. O.

5. फारसी से भारतीय भाषाओं में हुए अनवाद कार्यों का वर्णन कीजिए।
6. आधुनिक युरोपीय अनवाद परम्परा की विवेचना कीजिए।
7. भारतीय कालजयी साहित्य के वैश्विक अनवाद की चर्चा कीजिए।
8. अनुवाद अध्ययन के विकास में अमेरिकी अनवाद परम्परा के योगदान पर प्रकाश डालिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (क) बौद्ध पाठों के अनवाद की समस्याएँ
  - (ख) प्राचीन काल में रोम में अनवाद की गतिविधियाँ
  - (ग) अनवादक कुमारजीव
  - (घ) शेरी सिमोन की अनवाद दृष्टि

**MTT-011**